प्रिलिम्स फैक्ट: 27 अप्रैल, 2021

drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-27-april-2021

वरुण-2021

नौसैनिक अभ्यास 'वरुण-2021'

Exercise VARUNA 2021

भारत और फ्राँस की नौसेनाओं के द्विपक्षीय अभ्यास **'वरुण-2021'** (VARUNA-2021) का 19वाँ संस्करण **अरब सागर** (Arabian Sea) में आयोजित किया जा रहा है।

> इस वर्ष की शुरुआत में भारतीय नौसेना ने पहली बार अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान की नौसेनाओं के साथ फ्राँस के नेतृत्व वाले नौसैनिक अभ्यास **"ला पेरॉस"** (La Pérouse) में भाग लिया।

प्रमुख बिंदु

वरुण के विषय में:

- **पृष्ठभूमि:**
    - भारतीय और फ्रांसीसी नौसेनाएँ वर्ष 1993 से द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास कर रही हैं। इन अभ्यासों को वर्ष 2001 से 'वरुण' कहा जाता है।
    - ये अभ्यास भागीदार नौसेनाओं के बीच के साझा मूल्यों को आगे बढ़ाते हैं और खुले तथा स्वतंत्र सामुद्रिक परिवेश को सुनिश्चित करते हैं।
- **वर्ष 2021 का अभ्यास:**
    - इस अभ्यास में **संयुक्त अरब अमीरात** (UAE) पहली बार भाग ले रहा है।
    - यह अभ्यास फाँसीसी कैरियर स्ट्राइक ग्रुप **'CLEMENCEAU 21'** की तैनाती का हिस्सा है, जो कि फ्राँसीसी नौसेना पूर्वी भूमध्य सागर और हिंद महासागर (अरब सागर) में आयोजित कर रही है।
        - इसका लक्ष्य सहयोगी देशों के साथ सामरिक क्षेत्रों में स्थिरीकरण को सुनिश्चित करना है, विशेष रूप से हिंद महासागर में भारत की नौसेनाओं के साथ सहयोग को मज़बूत करना है।
        - कैरियर स्ट्राइक ग्रुप **(Carrier Strike Group)** भी एंटी-आईएसआईएस (इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया) अभियान में हिस्सा ले रहा है।
    - इस अभ्यास के दौरान समुद्र में उच्च स्तरीय नौसैनिक अभियान होंगे, जिनमें उन्नत एयर डिफेंस और एंटी-सबमरीन अभ्यास, सामरिक युद्धाभ्यास, सरफेस एंड एंटी एयर वेपन फायरिंग आदि शामिल हैं।

भारत-फ्राँस के बीच होने वाले अन्य संयुक्त अभ्यास:

- डेज़र्ट नाइट-21 और गरुड़ (वायु सेना अभ्यास)
- शक्ति (सेना अभ्यास)

भारत का प्रमुख द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास